

28/3/22

गोपयते प्रजापतेर्वाणी कुं यो वज्र
परं कायान्द्रियं ते शश्वर की नारि

वाङ्मनी मय प्रकीर्त्ये उद्ये यो वज्रं स्थ
शिवान्द्रियं को प्रज्ञे प्रिया प्रियं प्रजापति
उ मये प्रजापते उ मयिन्द्रियं यद्विन्द्या
ने अग्न्या-वियं कर्तुं प्रिया हे शश्वर म
उद्यं प्रजापते को शिवो मही यत्रो म
एतेनैव हे प्रजापते शशी मर पर प्रिया
प्रिया को

वह्नुम यो वज्र पर वाङ्मनी
एव प्रकीर्त्ये वाणी को वृणा गन्धायो
यत्र वाङ्मनी कर्तुं मर प्रिया वरिच
वाङ्मनी शशी मर पर प्रिया

तारीख हुक्म

हुक्म या कार्यवाही मय इनिशियल्स जज

नम्बर व
अहकाम
हुक्म की त
जारी है

लिखा जाता है / पत्रक कारिबल दपतर
हो / है

उपखण्ड आ... ते।
पहाड़ी (भरतपुर)